1 उठो धरा के अमर सपूतो!

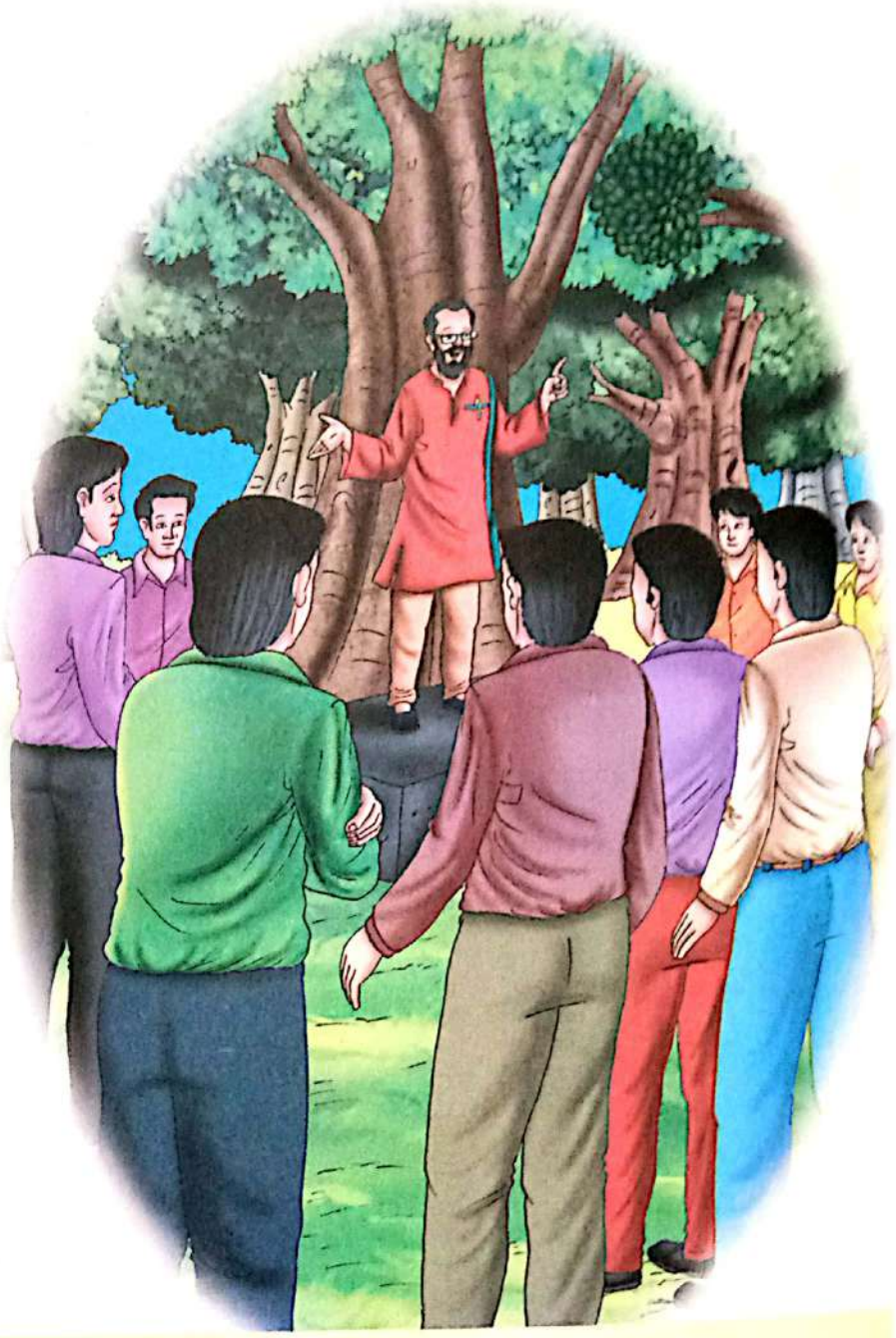

उठो धरा के अमर सपूतो!
पुन: नव निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से,
नव स्फूर्ति, नव प्राण भरो।
नया प्रभात है, नई बात है,
नई किरण है, ज्योति नई।
नई उमंगें, नई तरंगें,
नई आस है, साँस नई।
युग-युग के मुरझे सुमनों में,
नई-नई मुसकान भरो।
उठो धरा के अमर सपूतो!
पुन: नव निर्माण करो।
डाल-डाल पर बैठ विहग कुछ,
नए स्वरों में गाते हैं।
गुन-गुन, गुन-गुन करते भौंरे,
मस्त उधर मँडराते हैं।
नव युग की नूतन वीणा में,
नया राग, नव गान भरो।
उठो धरा के अमर सपूतो!
पुन: नव निर्माण करो।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि यह कविता आधुनिक युग के बाल-साहित्य रचनाकार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी द्वारा लिखी गई है। कवि ने इस कविता के माध्यम से नवयुवकों को देश के नव-निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया है।
- बच्चों को कविता का भाव समझाते हुए कविता पाठ करवाएँ। उन्हें बताएँ कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। अत: देश के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नई उमंग के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

Scanned with CamScanner

कली-कली खिल रही इधर,
उधर फूल-फूल मुसकाया है।
धरती माँ की आज हो रही,
नई सुनहरी काया है।
नूतन मंगलमय ध्वनियों से,
गुंजित जग-उद्यान करो।
उठो धरा के अमर सपूतो!
पुनः नव निर्माण करो।
सरस्वती का पावन मंदिर,
शुभ संपत्ति तुम्हारी है।
तुममें से हर बालक इसका,
रक्षक और पुजारी है।
शत-शत दीपक जला ज्ञान के,
नव युग का आह्वान करो।
उठो धरा के अमर सपूतो!
पुनः नव निर्माण करो।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

शब्दार्थ

धरा	–	धरती	पुनः	–	फिर, दोबारा	स्फूर्ति	–	उत्साह, ताज़गी
प्रभात	–	सवेरा	आस	–	आशा	विहग	–	पक्षी
नूतन	–	नया, नवीन	उद्यान	–	बगीचा	आह्वान	–	पुकार

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

उद्यान – उद्यान आह्वान – आह्वान

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

ज्योति निर्माण स्फूर्ति ध्वनियाँ गुंजित आह्वान

उठो धरा के अमर सपूतो!

Scanned with CamScanner

2. सोचकर बताइए–

(क) कविता में किन्हें नव निर्माण हेतु उत्साहित किया गया है?

(ख) देश के निर्माण के लिए नवयुवकों में किस प्रकार के विचारों की आवश्यकता है?

(ग) कवि ने 'सरस्वती का पावन मंदिर' किसे कहा गया है? उसके रक्षक व पुजारी कौन है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर शब्दों में दीजिए–

(क) कवि ने लोगों को जीवन में क्या भरने के लिए प्रेरित किया है? .....

(ख) नई-नई मुसकान किसमें भरने के लिए कहा गया है? .....

(ग) धरती माँ की काया में क्या परिवर्तन हुआ है? .....

(घ) सरस्वती के मंदिर का रक्षक कौन है? .....

2. नीचे दिए प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए–

(क) 'धरा के अमर सपूतों' से कवि का क्या तात्पर्य है?

.....

.....

(ख) धरती माँ की काया सुनहरी क्यों हो गई है?

.....

.....

(ग) कविता में नव युग का आह्वान किस प्रकार करने को कहा गया है?

.....

.....

(घ) 'नव निर्माण करने से' कवि का क्या तात्पर्य है?

.....

.....

3. नीचे दी पंक्तियों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

(क) नव युग की नूतन वीणा में नया राग, नव गान भरो।

.....

.....

Scanned with CamScanner

(ख) नूतन मंगलमय ध्वनियों से, गुंजित जग-उद्यान करो।

(ग) शत-शत दीपक जला ज्ञान के, नव युग का आह्वान करो।

4. नीचे दिए काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) लगाइए–

रास्ते का एक काँटा,
पाँव का दिल चीर जाता।
रक्त की दो बूँद गिरती,
एक दुनिया डूब जाती।

आँख में हो स्वर्ग लेकिन
पाँव पृथ्वी पर टिके हों।

कंटकों की इस अनोखी,
सीख का सम्मान कर ले।
पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

(क) पाँव का दिल कौन चीर जाता है?
(*i*) फूल (*ii*) काँटा (*iii*) पंखुड़ी (*iv*) पत्थर

(ख) आँखों में स्वर्ग होने पर भी पाँव कहाँ टिके होने चाहिए?
(*i*) आसमान में (*ii*) चाँद पर (*iii*) धरती पर (*iv*) सूरज पर

(ग) काँटे हमें क्या सीख देते हैं?
(*i*) चलने से पहले पथ की पहचान कर लेनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

(ii) चलने से पहले राह के काँटे साफ़ कर लेने चाहिए।

(iii) नंगे पाँव कभी नहीं चलना चाहिए।

(iv) वास्तविकता का हमेशा भान होना चाहिए।

(घ) चलने से पहले क्या कर लेना चाहिए?

(i) पथ की पहचान (ii) मित्रों की मंडली का निर्माण

(iii) पूर्ण स्नान (iv) विश्राम

(ङ) 'बटोही, बाट की पहचान कर ले।' पंक्ति में बाट और बटोही का क्या अर्थ है?

(i) काँटे और पथिक (ii) राह और आगंतुक

(iii) मित्र और राही (iv) पथ और पथिक

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों में प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए–

करुणा – करुणामय

दुख – ..... सुख – .....

दया – ..... तन – ..... जल – .....

2. नीचे दिए शब्दों के समानार्थी शब्द वर्ग-पहेली से ढूँढ़कर लिखिए–

त	ट	सु	ज	वि
न	पू	म	ल	ह
नू	त	न	ज	ग
वी	णा	वा	दि	नी

बेटा – ..... पक्षी – .....

कमल – ..... संसार – .....

किनारा – ..... शरीर – .....

सरस्वती – ..... नया – .....

पुष्प – ..... पानी – .....

3. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

नूतन – ..... निर्माण – ..... शुभ – .....

रक्षक – ..... मान – ..... सपूत – .....

4. नीचे दिए शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

पूत – ..... भौंरा – ..... सूरज – .....

आस – ..... अम्मा – ..... अँधेरा – .....

Scanned with CamScanner

कविता से आगे

- देश का नव-निर्माण किस प्रकार किया जा सकता है?
- बच्चे देश के नव-निर्माण में क्या भूमिका निभा सकते हैं?

नन्हे हाथों से

- 'मेरा भारत महान' पर अपनी उत्तर पुस्तिका में निबंध लिखिए।
- 'बच्चे देश का भविष्य' पर अनुच्छेद लिखिए।

कुछ करने को

- इंटरनेट या पुस्तकालय से द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की कुछ अन्य कविताएँ खोजकर पढ़िए।

आप क्या करेंगे?

- यदि आपके कुछ मित्र असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर देश की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की योजना बना रहे हों। बातों-बातों में यह बात आपको पता चल जाए तो आप क्या करेंगे?
- यदि आप अपने घर के आस-पास किसी पार्क में खेलने जा रहे हों और वहाँ कुछ लोग नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करते दिखाई दें तो आप क्या करेंगे?

Scanned with CamScanner